आईआईटी प्रोफेसर बनेंगे छात्रों के सलाहकार, सुलझाएंगे समस्या

पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों के ओरिएंटेशन के साथ शुरू हुआ नया सत्र, आज बीटेक छात्रों का ओरिएंटेशन, 26 जुलाई से लगेंगी क्लास

भास्कर संवाददाता | इंदौर

आईआईटी का शैक्षणिक सत्र मंगलवार से शुरू हुआ। इसके शुरुआती दो दिन पोस्ट ग्रेजुएट और अंडर ग्रेजुएट छात्रों के ओरिएंटेशन कार्यक्रम के लिए रखे गए हैं। मंगलवार को एमएससी, एमटेक, एमएस (रिसर्च) और पीएचडी में इस वर्ष एडमिशन लेने वाले छात्रों के ओरिएंटेशन हुए। बुधवार को बी टेक छात्रों का प्रोग्राम होगा। 26 जुलाई से क्लास लगेंगी। इस सत्र में प्रोफेसर छात्रों को पढ़ाने के साथ सलाहकार की भूमिका भी निभाएंगे। हर छात्र एक फैकल्टी एडवाइजर से जुड़ेगा। छात्र उनसे पेशेवर और निजी मसलों पर भी सलाह ले सकेंगे।

हर छात्र को एक फैकल्टी एडवाइजर से जोड़ा जाएगा

आईआईटी का शैक्षणिक सत्र मंगलवार से शुरू हुआ। पहले दिन पोस्ट ग्रेजुएट छात्र-छात्राओं के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम रखा गया।

300 छात्र शामिल, लोन, बैंकिंग की भी व्यवस्था

ओरिएंटेशन में एमएससी, एमटेक, एमएस (रिसर्च) और पीएचडी सहित 300 छात्र शामिल हुए। सुबह 10 से 11.30 बजे तक हुए कार्यक्रम में कोर्स संबंधी सभी जानकारी के साथ इंस्टिट्यूट की सुविधा, नियमों, मेस, कैंपस सिक्युरिटी, मेडिकल फैसिलिटी सहित अन्य जानकारियां दी गईं। दोपहर 1 से शाम 5 बजे तक रजिस्ट्रेशन, डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन, मेडिकल फिटनेस और डिसएबिलिटी सर्टिफिकेट का वेरिफिकेशन हुआ। लोन, बैंकिंग और मोबाइल सिम उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी संस्थान ने की थी।

सत्र के शुरू में हुआ था दो कमेटियां बनाने का निर्णय

मार्च में हुई सीनेट की 17वीं मीटिंग में फैकल्टी एडवाइजर बनाने के साथ दो कमेटियां बनाने का निर्णय हुआ। एक कमेटी में तीन से चार फैकल्टी मेंबर्स के अलावा कन्वीनर भी होगा। हर डिपार्टमेंट, डिसिप्लिन और इंटर-डिसिप्लिनरी रिसर्च प्रोग्राम के लिए डिसिप्लिन अंडर-ग्रेजुएट कमेटी बनाएगा। ये कमेटी अंडर ग्रेजुएट कोर्स और करिकुलम के अलावा एकेडमिक प्रोग्राम व परफॉर्मेंस सहित अन्य मसलों पर संज्ञान लेगी। एक और कमेटी सीनेट अंडर-ग्रेजुएट कमेटी भी होगी, यह भी छात्रों की समस्याओं का निराकरण करेगी।

50% से कम अटेंडेंस पर हो जाएंगे परीक्षा से वंचित

क्लास अटेंडेंस 50 फीसदी से कम होने पर छात्र परीक्षा से वंचित हो सकते हैं। आईआईटी के नियमों के अनुसार उपस्थिति के आधार संस्थान ने छात्रों के लिए 10 अंक तय किए हैं। जिन छात्रों की उपस्थिति 80 फीसदी या उससे ज्यादा होगी, उन्हें पूरे 10 अंक दिए जाएंगे। 50 फीसदी से कम उपस्थिति वाले छात्रों को सेमेस्टर परीक्षा में नहीं बैठने दिया जाएगा। उन्हें कोर्स की परीक्षा वापस देनी होगी। हालांकि ये कोर्स को-ऑर्डिनेटर पर निर्भर करता है कि वे उपस्थिति के आधार पर अंक देने की प्रक्रिया को नकार भी सकते हैं।

Dainik Bhaskar (Indore), 24th July 2019, Page-6